नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत
विद्यार्थी अंतरण कार्यक्रम उदघाटित

एक भारत श्रेष्ठ भारत सांस्कृतिक इतिहास का संकल्प है – प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा, दि. 20 जनवरी 2020 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत संचालित विद्यार्थी अंतरण (अदला-बदली)कार्यक्रम के उदघाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत भारत के सांस्कृतिक इतिहास को दिखाने का एक सुअवसर

है। हमें इसे संकल्प मानकर भारत को बनाने की निरंतर प्रक्रिया को जारी रखनी चाहिए। वे सोमवार,20 जनवरी को तुलसी भवन स्थित गालिब सभागार में एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा के विद्यार्थियों के स्वागत समारोह में बोल रहे थे।

इस अवसर पर मंच पर प्रतिकुलपति द्वय प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. चंद्रकांत रागीट, कार्यकारी कुलसचिव कादर नवाज़ ख़ान, एक भारत श्रेष्ठ भारत के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी तथा ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट के नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ गुप्ता मंचासीन थे। दीप प्रज्ज्वलन एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कुलपति प्रो. शुक्ल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि महाराष्ट्र में संत ज्ञानेश्वर जैसे संतों के चलते ज्ञान और भक्ति का प्रभाव है और दूसरी ओर ओडिशा में जगन्नाथ स्वामी के चलते भक्ति से ज्ञान का प्रभाव है। यह एक तरह का ज्ञान और भक्ति का संगम है। उन्होंने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से इन दो संस्कृतियों की चाहत से सांस्कृतिक आदान-प्रदान के रास्ते निकलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अतिथि के प्रति देवता का भाव रखने वाला देश है और यहां मनुष्य मात्र की ही सेवा नहीं अपितु प्राणि मात्र के प्रति भी सद्भाव की संस्कृति है। भारत

केवल जमीन का टुकड़ा मात्र नहीं बल्कि हम भारत को देवी के रूप में भी पूजते हैं। यही कारण है कि भारत की इसी विशेषता के चलते यहां का कारवां चल पड़ा और दुनिया सांस्कृतिक बनती गयी। उन्होंने ओडिशा और महाराष्ट्र की मिली-जुली संस्कृति और समानताओं का जिक्र करते हुए ओडिशा से आए विद्यार्थियों और शिक्षकों का स्वागत किया।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ गुप्ता ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना से आने वाली पीढ़ी भारत को श्रेष्ठ बनाने में आगे आएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ओडिशा और महाराष्ट्र इन दो राज्यों का यह संबंध सक्रिय, बहुआयामी और व्यापक बनेगा। स्वागत वक्तव्य नोडल अधिकारी डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी ने दिया । उन्होंने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से विद्यार्थियों को दोनों राज्यों की संस्कृति को जानने, समझने और अपनाने का मौका मिलेगा। आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में ओडिशा तथा ओडिशा में महाराष्ट्र उत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक डॉ. भरत पण्डा ने किया तथा आभार ज्ञापन कार्यकारी कुलसचिव कादर नवाज़ ख़ान ने किया। इस

अवसर पर ओडिशा से आए विद्यार्थियों समेत विश्वविद्यालय के अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

24 जनवरी तक विभिन्न आयोजन, 23 को फूड फेस्टिवल

एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत विद्यार्थी अंतरण कार्यक्रम के तहत 23 जनवरी को समता भवन के प्रांगण में फूड फेस्टिवल का आयोजन होगा जिसमें महाराष्ट्र की खाद्य संस्कृति का परिचय कराया जाएगा।

22 जनवरी को तामसवाडा गांव का भ्रमण होगा जिसमें विद्यार्थियों को ग्रामीण संस्कृति से रूबरू कराया जाएगा। दोपहर बाद एमगिरी, मगन संग्रहालय और वर्धा के मुख्य बाजार का भ्रमण कराया जाएगा। 23 जनवरी को विनोबा भावे आश्रम, बापूकुटी, नई तालीम, लक्ष्मी नारायण मंदिर, गीताई मंदिर, ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र आदि महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक स्थलों पर ले जाया जाएगा। 24 जनवरी को गालिब सभागार में अनुभव का आदान-प्रदान तथा 4.00 बजे समापन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।